चतुर्थ प्रश्न पत्र : राजस्थानी साहित्य का इतिहास और लोक साहित्य

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम

1. प्रारंभकाल, मध्यकाल, उत्तरकाल
   (प्रमुख कृतिकार, कृतियां)

इकाई – द्वितीय

2. प्रारम्भकाल, मध्यकाल, उत्तरकाल
   (साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां)

इकाई – तृतीय

3. आधुनिक राजस्थानी काव्य एवं गद्य
   (प्रमुख कवि, कृतियां, प्रवृतियां एवं गद्य की विविध विधाएं)

इकाई – चतुर्थ

4. लोक साहित्य, लोक संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, राजस्थान के रीति रिवाज, लोक गीत, लोक गाथा।

इकाई – पंचम

5. राजस्थान के लोक नाट्य, लोक नृत्य, लोक देवता, लोकोक्तियां, मुहावरे, कहावतें पहेलियाँ वनस्पतियाँ, पशु पक्षी।

   उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्ड़ों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पुछे जायेगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। **(10×2=20 अंक)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न दस अंकों का होगा। **(5×10=50अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है। किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होगें। **(2×15=30अंक)**

टिप्पणी : प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

संदर्भ ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोती लाल मेनारिया।
2. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रेरणा स्रोत : डॉ. किरण नाहटा।
3. राजस्थानी लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता।